मध्यप्रदेश के पांढुर्णा जिले की S3WaaS आधारित वेबसाइट का शुभारंभ

मध्यप्रदेश के पांढुर्णा जिले की S3WaaS आधारित एक नई द्विभाषी हिंदी और अंग्रेजी वेबसाईट https://pandhurna.nic.in औपचारिक रुप से 14 जून 2024 को लॉन्च की गयी। इसे श्री अजय देव शर्मा, आईएएस, कलेक्टर जिला पांढुर्ना के द्वारा लॉन्च किया गया। पांढुर्ना, मध्यप्रदेश राज्य का 55 वां एवं जबलपुर संभाग का 9 वां जिला है।

यह वेबसाइट S3WaaS फ्रेमवर्क पर आधारित है, जो कि GIGW मानक मानदंडो (भारत सरकार की वेबसाइटों के लिये दिशानिर्देश) और मजबूत सुरक्षा मानकों के अनुपालन में उन्नत उपयोगकर्ता-अनुकूल कार्यक्षमता और इंटरफेस प्रदान करती है।

इस वेबसाइट का निर्माण एसआईओ (म.प्र.), एएसआईओ (राज्य), एएसआईओ (जिला) के मार्गदर्शन में जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी, श्री अंकित भार्गव द्वारा, S3WaaS कोर टीम, नई-दिल्ली एवं श्री प्रदीप अहिरवार, वैज्ञानिक-डी एवं आईडीसी, वेब और क्लाउड सेवा प्रभाग, भोपाल के सहयोग से किया गया है।

मुख्य पृष्ठ / जिले के बारे में / इतिहास

इतिहास

पांढुर्णा, मध्यप्रदेश राज्य का 55 वां एवं जबलपुर संभाग का 9 वां जिला हैं, जो छिंदवाडा जिले से वर्ष 2023 में अलग होकर अस्तित्व में आया | जिसका क्षेत्रफल 1522.22 वर्ग कि.मी. है। यह क्रमशः दक्षिण -पूर्व मे नागपुर, पश्चिम में बेतुल एवं अमरावती और उत्तर मे छिंदवाडा जिलों से घिरा है।

चमत्कारी जामसांवली हनुमान मंदिर पांढुरना से करीब 25 km की दूरी पर है वही, नागपुर से लगभग 65 km दूरी पर स्थित है। शासकीय दस्तावेजों के अनुसार जमसावली मंदिर करीब 100 वर्षो पुराना है। यहां सबसे अधिक श्रद्धालु मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से पहुंचते हैं। जामसवली मंदिर की एक और खास बात ये भी है कि यहां हनुमान जी की मूर्ति की नाभि से जल निकलता है। भक्त इसे प्रसाद के रूप में लेते हैं। और इस मंदिर की मान्यता है कि यहां मानसिक स्थिति से पीड़ित लोगो को पवित्र जल से सुधार मिलता है।

पांढुरना का गोटमार मेला पांढुरना शहर में "गोटमार मेला" हर वर्ष पोला पर्व के दूसरे दिन भाद्रपद 'अमावस्या को मनाया जाता है। यह मेला 'जाम' नदी के तट पर मनाया जाता है। एक पलाश रूपी पेड़ के झंडे को जाम नदी के बीच लगाया जाता है और मेला संपन्न होने पर इस पलाश रूपी झंडे को मां चंडिका के मंदिर में अर्पण किया जाता है। इस मेले की आराध्य देवी मां चंडिका है जो शहर के मध्य में पुरातन से स्थापित है।

संकलन: श्री अंकित भार्गव,
जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी, छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश